Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	Remington GAIL 09th Oct 2016 Shift 1
Subject Name:	Remington GAIL
Creation Date:	2016-10-09 16:12:01
Duration:	25
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	2791173
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	2791173
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	2791173
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 2791173 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था। एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा। अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता हुआ उसके गुणगान करने लगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript

Actual

Group Number :	2
Group Id :	2791174
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Mandatory Break time:	No
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	2791174
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	2791174
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 2791174 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes
एक जंगल में हिरण्यक नामक चूहा तथा लघुपनक नाम का कौवा रहता था। दोनों में प्रगाढ मित्रता थी। लघुपनक हिरण्यक के लिए हर दिन खानें के लिए लाता था। अपने उपकारों से उसने हिरण्यक को कर्जदार बना लिया था। एक बार हिरण्यक ने लघुपनक से दुखी मन से कहा– इस प्रदेश में अकाल पड गया है। लोगों ने पक्षियों को फंसाने के लिए अपने छतों पर जाल डाल दिया है। मैं किसी तरह बच पाया हूं। अंत: मैंने इस प्रदेश को छोडने का निश्चय किया है। लघुपनक ने बताया – दक्षिण दिशा में दुर्गम वन है, जहां एक विशाल सरोवर है। वहां मेरा एक अत्यंत घनिष्ट मित्र रहाता है। उसका नाम मंथरक कछुआ है। उससे मुझे मछलियों के टुकडे मिल जाया करेंगे। हिरण्यक ने बिनती की कि वह भी लघुपतनक के साथ वहीं जाकर रहना चाहता है। लघुपनक ने उसे समझाने की कोशिश की कि उसे अपनी जन्मभूमि व सुखद आवास को नहीं छोडना चाहिए। इस पर हिरण्यक ने कहा कि ऐसा करने का कारण वह बाद में बताएगा। दोनों मित्रों ने साथ जाने का निश्चय किया। हिरण्यक लघुपतनक के पीठ पर बैठकर उस सरोवर की ओर प्रस्थान कर गया। निश्चित स्थान पर पहुंचकर कौवे ने चूहे को अपनी पीठ पर से उतारा तथा तालाब के किनारे खडे होकर अपने मित्र मंथरक को पुकारने लगा। मंथरक तत्काल जल से निकला। दोनों एक दूसरे से मिलकर प्रसन्नचित थे। इसी बीच हिरण्यक भी आ पहुंचा। लघुपनक ने मंथरक से हिरण्यक का परिचय कराया तथा उसके गुणों की प्रशंसा भी की। मंथरक ने भी हिरण्यक से उसके जन्मस्थान से वैराग्य का कारण जानना चाहा। दोनों के आग्रह को सुनकर हिरण्यक अपनी व्यथा कथा सुनाने लगा। नगर के बाहर स्थित शिव मंदिर में ताम्रचूड नामक एक सन्यासी रहता था। वह नगर में भिक्षा मांगकर सुखपूर्वक अपना जीवन व्यतीत कर रहा था। खाने–पीने से बचे अन्न–धान्य को वह प्रत्येक दिन एक भिक्षा पात्र में डालकर रात्रि में खूंटी पर लटकाकर सो जाया करता था। सुबह–सुबह उसे मंदिर के बाहर बैठे भिखारियों में बांट देता था। इस सब बातों की सूचना हिरण्यक को भी मिली। उसे यह भी पता चला कि ये स्वादिष्ट सामग्री ऊंचाई पर होने के कारण अन्य चूहों को दिक्कत होती है। हिरण्यक ने बताया कि अपने साथी की बात सुनकर एक रात मैं वहा आया तथा खूंटी पर लटकी हांडी पर छलांग लगा दिया तथा हांडी को नीचे गिरा दिया तथा साथियों के साथ स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। अब यह हमारा हर रात का नियम सा बन गया।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript